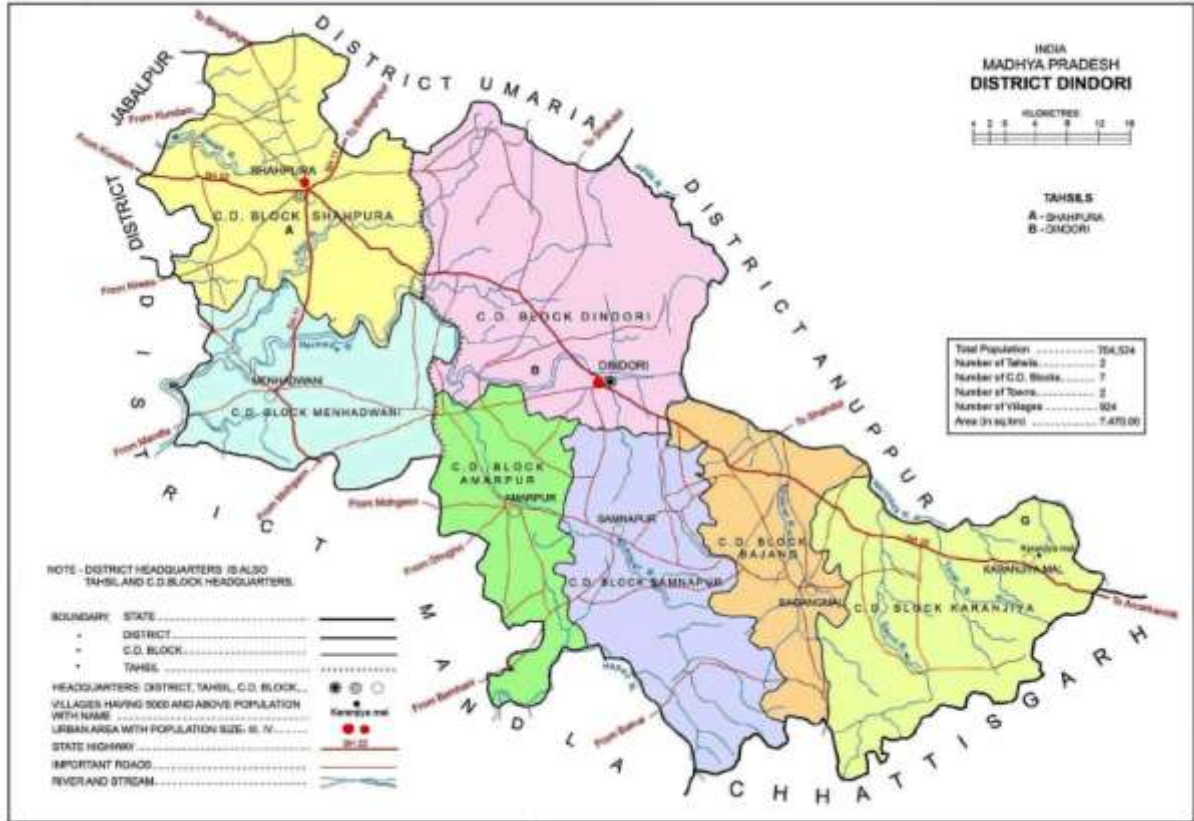


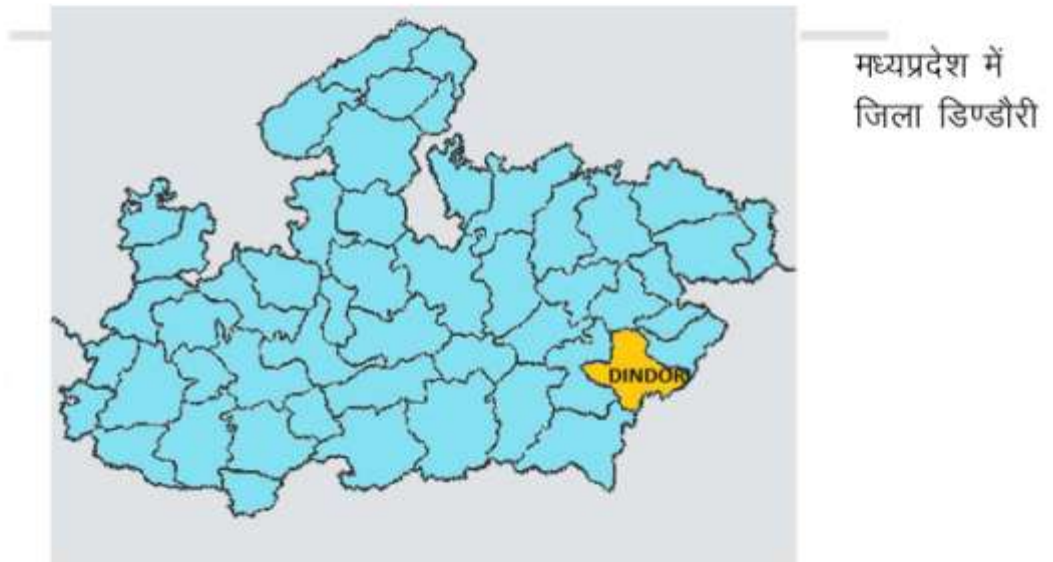
कार्यालय कलेक्टर, खनिज विभाग

जिला - डिण्डौरी (म.प्र.)



जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट





1- प्राक्कथन (Introduction)

दिनांक 15 जनवरी 2016 पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी भारत सरकार की अधिसूचना अनुसार जिला स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण प्राधिकरण (DEIA) एवं जिला स्तरीय विशेषज्ञ आकलन समिति (DEAC) का गठन संभाग आयुक्त द्वारा किया जाना निर्धारित किया गया है। इस कमेटी के गठन पश्चात प्रत्येक माह में निर्धारित तिथि पर समिति सदस्यों की बैठक सुनिश्चित किया जाना आवश्यक होगा, जिसमें प्रस्तुत माईनिंग प्लान / पर्यावरण प्रबंधन प्लान की अनुशंसा जिला सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर सुनिश्चित की जावेगी। यह एक मार्गदर्शी दस्तावेज होगा जिससे जिले की उपलब्ध खनिज संपदाओं का भंडारण एवं उनकी अवस्थिति से संबंधित सूचनाओं का संकलन रहेगा, साथ ही उस अवस्थिति से संबंधित पर्यावरण की जानकारियां समाहित रहेंगी।

खनिज की भंडारण क्षमता एवं आकड़ों पर आधारित इस प्रतिवेदन के आधार पर समिति माईनिंग प्लान / पर्यावरण प्रबंधन प्लान में मांगे गये खनिज के दोहन हेतु, अपनी यह अनुशंसा जारी कर सकेगी कि प्रस्तुत अवस्थिति पर खनिज की उपलब्धता है एवं जारी किये जाने वाले दोहन हेतु उपयुक्त भंडारण उस स्थल पर पाया जाता है, साथ ही पर्यावरण से संबंधित यह आकलन भी इस प्रतिवेदन के आधार पर संभव हो सकेगा कि पट्टाधारी को पर्यावरण स्वीकृति प्रदान की जावे अथवा प्रस्तुत माईनिंग प्लान / पर्यावरण प्रबंधन प्लान में कुछ आवश्यक सुधार आदि पश्चात अनुमोदन किया जावे।

2- जिले में खनन कार्यकलापों पर विहंगम दृष्टि (Overview of Mining Activity in the District)

जिला डिण्डौरी, पहाड़ी, पठारी क्षेत्र है, जिले में बाक्ससाईट, लेटेराइट, लाईम स्टोन मुख्यतः पाये जाते हैं। गौण खनिजों में रेत, गिट्टी हेतु पत्थर एवं क्ले ओर मिट्टी जिले में पायी जाती है।

डिण्डौरी जिले में मुख्य खनिज की कोई भी खदानें नहीं है। गौण खनिजों की वर्तमान में रेत खनिज की 3 घोष विक्रय की रेत खदानें है। गिट्टी हेतु पत्थर की 29 खदानें जिले में विद्यमान है।

विगत वर्ष 2014-15 में इस जिले से म0प्र0 शासन को 3 करोड़ राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 3.07 करोड़ राजस्व प्राप्त हुआ है। साथ ही निकट भविष्य में खनिज आधारित उद्योगों की इस जिले में आने की संभावना है।

3- अवस्थिति, क्षेत्र और विधिमान्यता का कालावधि के साथ जिले में खनन पट्टों की सूची
(The List of Mining Leases in the District with location, area and period of validity)

जिले में मुख्य खनिज के कोई पट्टे स्वीकृत नहीं हैं।

4- पिछले तीन वर्षों के दौरान प्राप्त स्वामिस्व या राजस्व के ब्यौरे
(Details of Royalty or Revenue received in last three years)

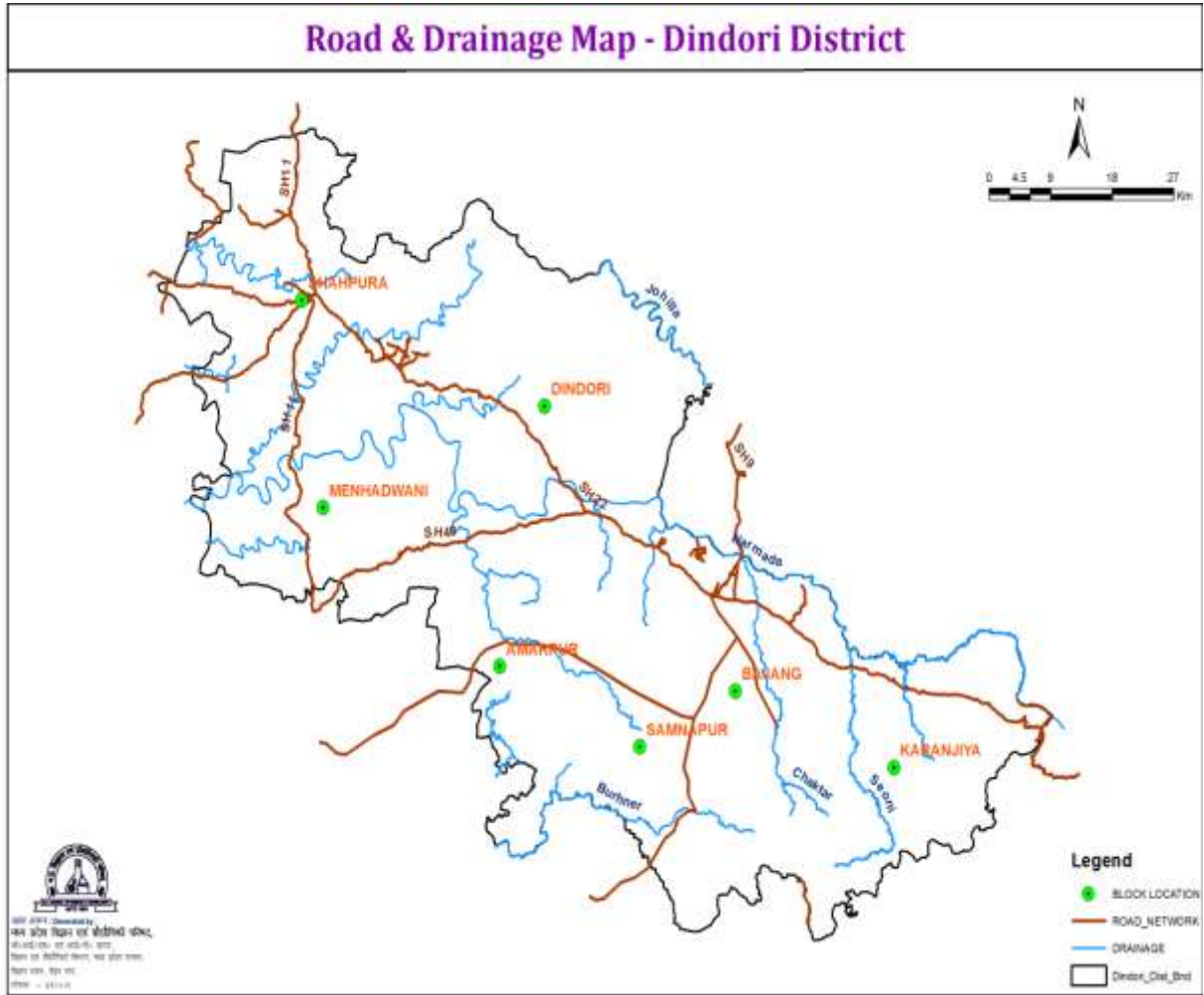
| वित्तीय वर्ष | राजस्व लक्ष्य (राशि लाख में) | मुख्य खनिज से प्राप्त | गौण खनिज से प्राप्त (राशि लाख में) | कुल प्राप्त राशि (राशि लाख में) |
|--------------|---------------------------------|--------------------------|---------------------------------------|------------------------------------|
| 2012-13 | 250.00 | 0 | 161.00 | 161.00 |
| 2013-14 | 170.00 | 0 | 131.00 | 131.00 |
| 2014-15 | 300.00 | 0 | 307.00 | 307.00 |

5- पिछले तीन वर्षों के दौरान बालू या बजरी के उत्पादन के ब्यौरे
(Detail of Production of Sand or Bajari or minor mineral in last three years)

| वित्तीय वर्ष | बालू | बजरी | गिट्टी | पत्थर | मुरुम |
|--------------|-------|------|--------|--------|-------|
| 2012-13 | 61463 | - | 45107 | 119192 | 22386 |
| 2013-14 | 51520 | - | 74578 | 142087 | 10411 |
| 2014-15 | 10273 | - | 217666 | 208324 | 1327 |

6- जिले की नदियों में तलछटों के जमाव की प्रक्रिया

(Process of Deposition of Sediments in the rivers of the District)



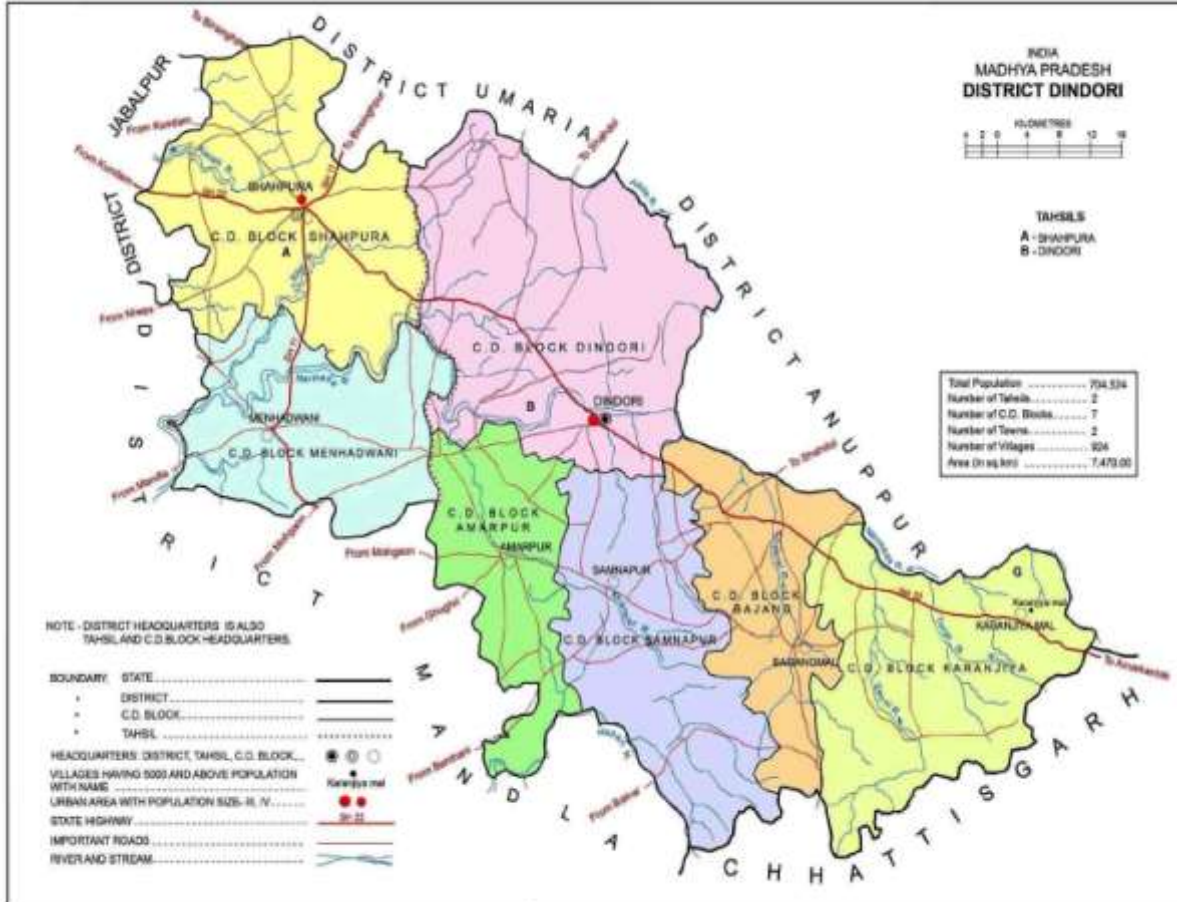
सामान्यतः नदियों के तल-छटों में जमाव की प्रक्रिया समस्त नदियों में एक जैसी ही होती है। इसमें मुख्यरूप से प्रभावकारी बिन्दुओं का वर्णन निम्नानुसार है :-

- (1) क्षेत्र का भू-विज्ञान , (2) भू-आकृति, (3) धरा का प्रकार, पानी का बहाव एवं बाढ़ क्षेत्र
- (4) जलवायु परिस्थितियाँ एवं वार्षिक वर्षा (5) कटाव एवं अपक्षय,
- (6) नदी के किनारे के पास गतिविधियाँ (7) इंजीनियरिंग संरचना, जिसमें बाँध इत्यादी,
- (8) सहायक नदियाँ।

डिण्डौरी जिले में विद्यमान नर्मदा नदी एवं बुढ़नेर नदी है। नर्मदा नदी अनूपपुर जिले की अमरकंटक से निकलकर जिले में 154 किमी. क्षेत्र पर बहती है तथा बुढ़नेर नदी मेकल पहाड़ (चाड़ा) से निकलकर जिले में 50 किमी. क्षेत्र पर बहती है एवं समतल मैदान में आते-आते जहाँ पर पानी का बहाव कम हो जाता है, वहाँ रेत जमा हो जाती है।

जिसमें ढलान होने से बहाव तेज रहता है, वहाँ पर रेत का भंडारण सीमित रहता है। अतः मुख्यतः नर्मदा एवं बुढ़नेर नदी में रेत उपलब्ध है।

7- जिले का सामान्य प्रोफाइल (General Profile of the District)



डिण्डौरी भारत के मध्यप्रदेश राज्य का एक ज़िला है। डिण्डौरी जिला मुख्यालय है। यहाँ पर कुल 927 गाँव है, डिण्डौरी जिले की स्थापना 25 मई 1998 में हुई थी। डिण्डौरी जिला, जबलपुर संभाग का एक हिस्सा है। डिण्डौरी जिला कुल 7470 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगे मध्यप्रदेश के पूर्वी भाग में स्थित है। यह उत्तर में उमरिया, पश्चिम में मण्डला, पूर्व में शहडोल से घिरा हुआ है और दक्षिण में छत्तीसगढ़ राज्य का बिलासपुर जिला है। गणितानुसार ज़िला, अक्षांश 22.17N और 23.22N देशांतर 80.35E और 80.58E में है। जिले में सात विकासखण्ड है - डिण्डौरी, शहपुरा, मेंहदवानी, अमरपुर, बजाग, करंजिया एवं समनापुर।

2011 की जनगणनानुसार, डिण्डौरी जिले की कुल आबादी लगभग 7,04,218 है। यह आबादी भूटान राष्ट्र या अलास्का(संयुक्त राज्य अमेरिका) के लगभग है। यह आकड़ा (640 जिलो की कुल में से) ज़िले को भारत में 501 की रैंकिंग देता है। जिले की जनसंख्या घनत्व

94 निवासी प्रति वर्ग किलोमीटर है। दशक 2001-2011 में ज़िले की जनसंख्या वृद्धि दर 21.26% थी। डिण्डौरी में लिंगानुपात 1000 पुरुषों के मुकाबले 1004 महिलाएँ हैं और साक्षरता दर 65.47% है। कुल जनसंख्या का लगभग 64% अनुसूचित जनजाति के अंतर्गत आता है।

बैगा जनजाति जिले में बहुत ही प्रमुख जनजाति है। वे केवल इस जिले में ही देखे जा सकते हैं। बैगा जनजाति को राष्ट्रीय मानव के रूप में भी जाना जाता है।

डिण्डौरी जिले में घुघवा जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान स्थित है, जिसका भारत में एक अनुठा स्थामन है। यह स्थान जीवाश्मों के एक अनमोल अमूल्य खजाने से समृद्ध है। यहाँ 18 संयंत्र परिवार की 31 पीढ़ी में से संबंधित जीवाश्मों की पहचान की गई है। यह जीवाश्म कुछ 66 लाख साल पहले इस क्षेत्र में फेले हुए जीवन का प्रतिनिधित्व करते हैं। यहाँ पर पौधों, पर्वतरोही, पत्तों, फूल, फल, और बीजों के संरक्षित जीवाश्म अच्छी तरह से संरक्षित पाए गए हैं। यहाँ विशेष रूप से कई पाम जीवाश्म भी पाए गए हैं। यहाँ पर 66 लाख साल पुराने संयंत्र जीवाश्मों पाए गए हैं और घुघवा जीवाश्म पार्क में जीवाश्मों की रक्षा के लिए भरपूर प्रयास किये जाते हैं डिण्डौरी में कई ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थानों का अनूठा संग्रह है। आध्यात्मिक स्थान जैसे लक्ष्मीण मठवा, कुर्करामठ, कलचुरीकाली मंदिर एवं कान्हा टाइगर नेशनल पार्क जो 180 किमी की दूरी पे है एवं बाधवगढ राष्ट्रीय उद्यान जिसकी दूरी जिला मुख्यालय से 140 किमी है।

8— जिले में भूमि के उपयोग का पैटर्न : वन, कृषि, उद्यान कृषि, खनन आदि —
(Land Utilization Pattern in the district : Forest, Agriculture, Horticulture, Mining etc.)

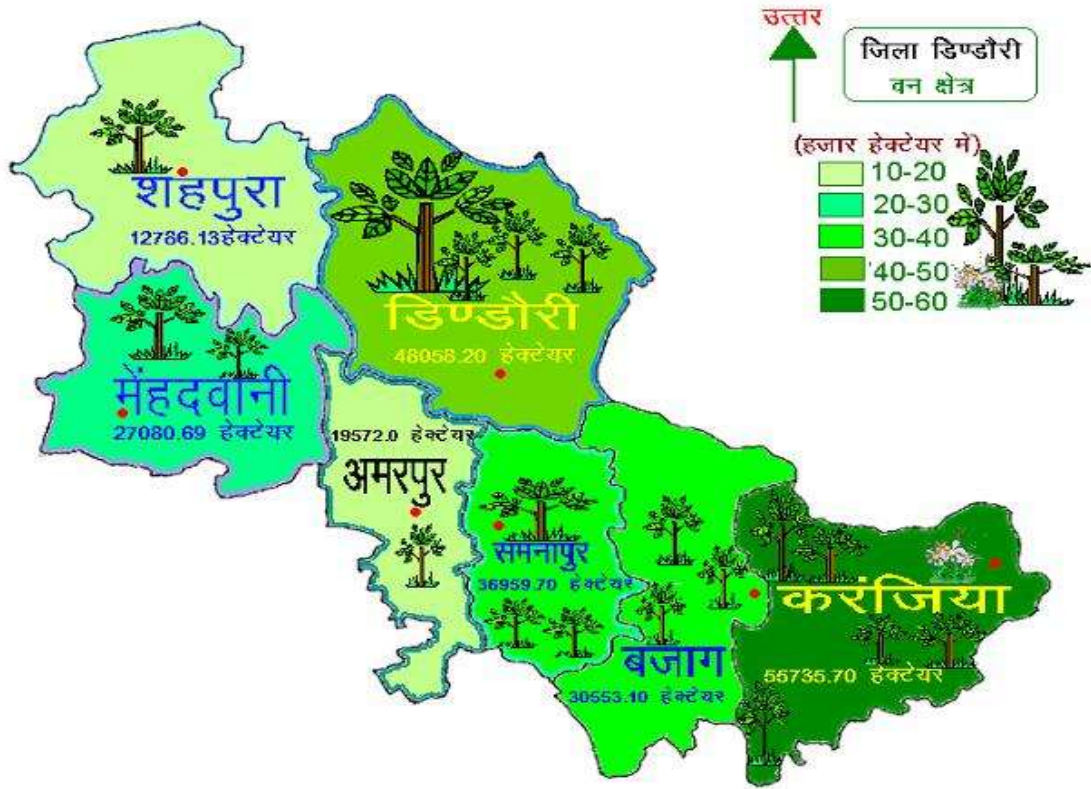
कृषि

डिण्डौरी जिले में कुल भौगोलिक क्षेत्र 7470 वर्ग किलोमीटर में से कृषि रकबा 227062 हे. है, जिसमें रबी तथा खरीफ की दोनों फसले सम्मिलित हैं। कुल कृषि रकबा में से लगभग 25 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र में आता है। सिंचाई के प्रमुख साधनों में नहर तथा तालाब हैं। प्रमुख फसलों में कोदो, कुटकी, सामा, धान, गेहूँ, चना आदि की पैदावार होती है।

उद्यान

डिण्डौरी जिले में उद्यानिकी की दृष्टि से कुल रकबा लगभग 5994 हे. है जिसमें विभिन्न प्रकार के उत्पाद जैसे फलों का रकबा 77.10 हे., सब्जी 310.52 हे., मसाले 187.24 हे. औषधि 77.00 हे. अन्य 1808.14 हे. क्षेत्र पर उत्पादित किये जाते हैं।

वन

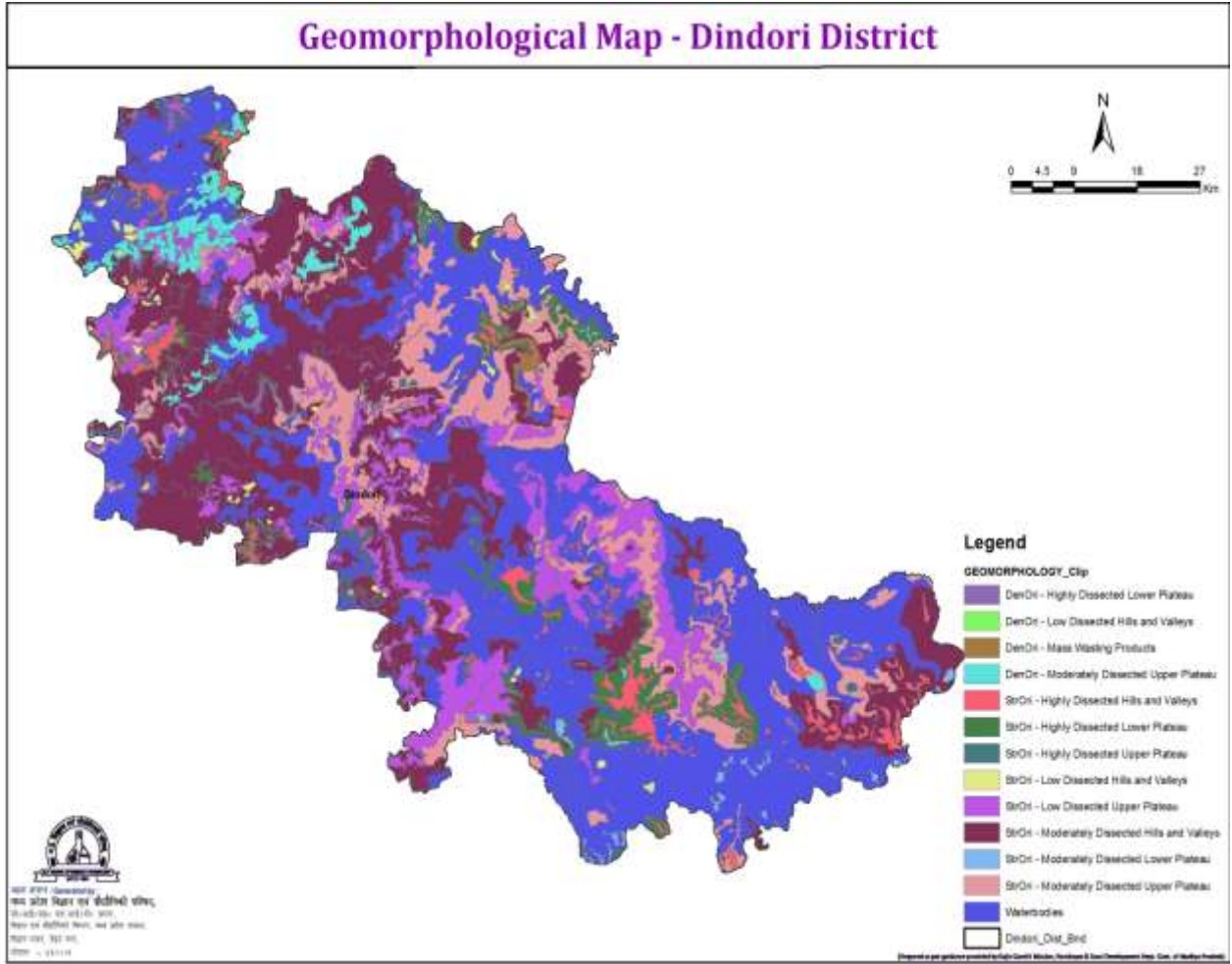


डिण्डौरी जिले में दो वनमण्डल, उत्पादन एवं सामान्य वनमण्डल क्षेत्रों में विभाजित है। क्षेत्रों के अंतर्गत आरक्षित वन तथा संरक्षित वन क्षेत्र 2530 वर्ग किलो मीटर है। जिले में फारेस्ट रेंज 9 है, जिनमें से डिण्डौरी, शाहपुर, अमरपुर, समनापुर, बजाग, करंजिया, गाड़ासरई, शहपुरा, मेहदवानी। जिले में साल वृक्ष बहुतायत मात्रा में अच्छे किस्म के इमारती वृक्ष है।

खनन

डिण्डौरी जिले में मुख्य रूप से बाक्साइट, लेटेराइट, आयरन, लाईमस्टोन, मुख्यतः पाया जाता है। गौण खनिजों में रेत, गिट्टी हेतु पत्थर एवं कले ओर मिट्टी जिले में प्रचुर मात्रा में पायी जाती है। कुल खनिज धारित क्षेत्र का रकबा जिसमें गौण खनिज का कुल रकबा 40.21 हे. लगभग है।

9- जिले की भू-भौगोलिकी (Physiography of the District)



भू-भौगोलिकी की दृष्टि से डिण्डौरी जिले को दो भागों में बाँटा जा सकता है, जो कि क्रमशः उत्तर-पूर्व में पठारी क्षेत्र है। उत्तर-पश्चिम में छोटे-बड़े पठार तथा उबड़-खाबड़ है। नर्मदा नदी उत्तर-पश्चिम की ओर ढलान में बहती है, तथा डिण्डौरी के पश्चिम से दक्षिण-पश्चिम की ओर ढलान पर बहती है। जिले में मुख्य रूप से नर्मदा एवं बुढ़नेर नदियाँ बहती हैं, और अन्य छोटी-बड़ी नदियाँ जिले के मध्य भाग में प्रवाहित होती हैं।

10- वर्षा: मास-वार (Rainfall : month-wise)

वर्ष 2013-14 एवं 2014-15 के आकड़े भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त किये हैं जो कि निम्नानुसार हैं -

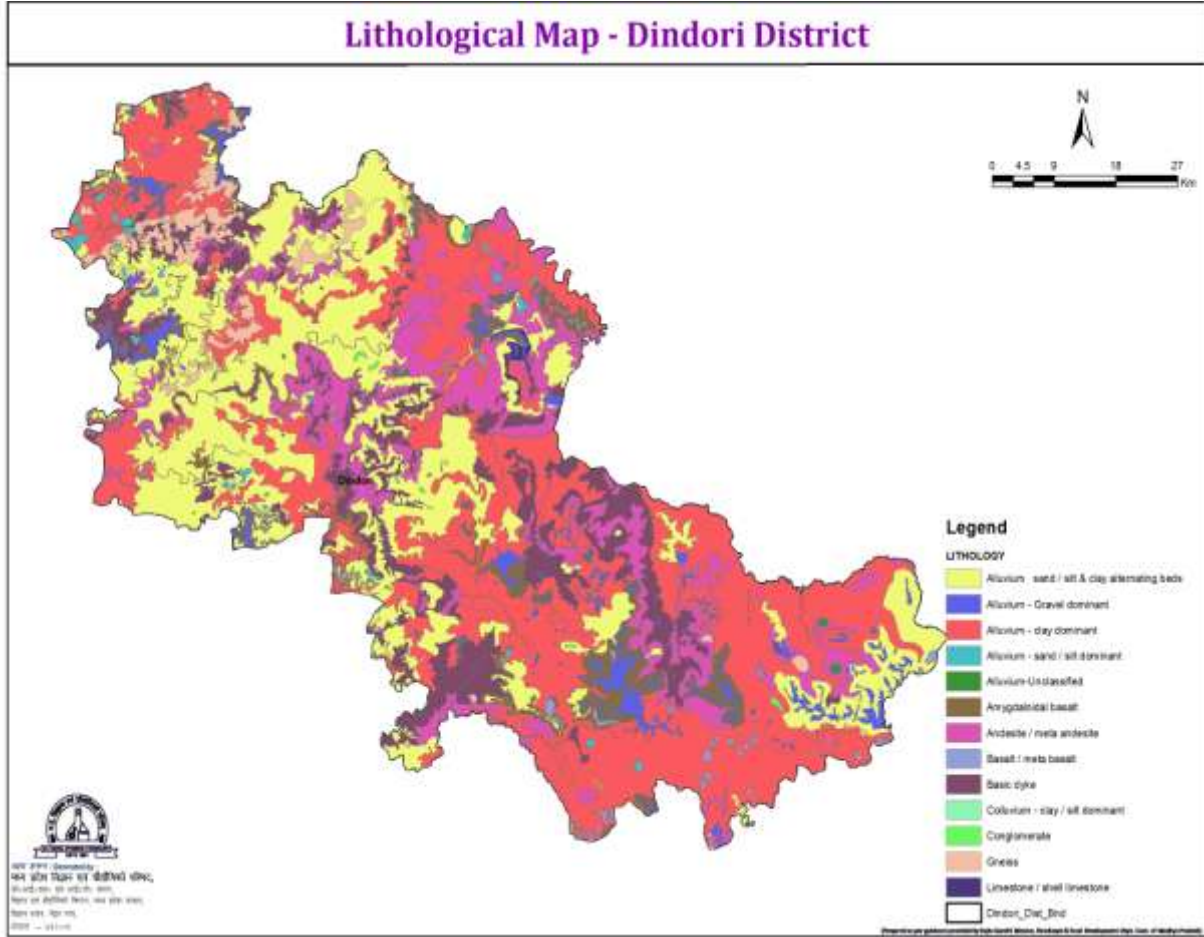
वर्षा की जानकारी 2013-14 एवं 2014-15

(1 जून से 31 मई की स्थिति में)

| क्रमांक | माह का नाम | माह में गिरने वाले पानी की मात्रा (मि.मी.) | |
|---------|--------------------|---|--------------|
| | | वर्ष 2013-14 | वर्ष 2014-15 |
| 1 | जून | 318.3 | 117.8 |
| 2 | जुलाई | 383.8 | 456.1 |
| 3 | अगस्त | 440.3 | 412.6 |
| 4 | सितम्बर | 76.9 | 168.8 |
| 5 | अक्टूबर | 139.6 | 104.1 |
| 6 | नवम्बर | 0 | 0 |
| 7 | दिसम्बर | 0 | 6.6 |
| 8 | जनवरी | 10.4 | 10.6 |
| 9 | फरवरी | 64.9 | 10.3 |
| 10 | मार्च | 24.5 | 80.6 |
| 11 | अप्रैल | 20.8 | 25.9 |
| 12 | मई | 0 | 0 |
| योग | कुल पानी की मात्रा | 1479.5 | 1393.4 |

11-जियोलोजी और खनिज संपदा (Geology and Mineral Wealth)

भू-विज्ञान के दृष्टिकोण से कालक्रम, शैलकीय एवं सस्तर विज्ञान के तकनीकी वर्णन नीचे दिये गये चार्ट अनुसार प्रस्तुत है –



Traps are the uppermost rocks capped by laterites on the highest peaks. The rugged hills and valley of the south east are of volcanic origin. Both is the higher plateau and the valleys. The rocks are covered by soil the laterite, murrum which is commonest soil. At places rith layer of weathered decomposed traps known as black colton soil is also seen in the valleys of the Narmada. The rocks range from archaens to the deccan trap in the district. The general succession of the rock is as follow.

| | | |
|---------------|---|---|
| Recent | – | Soil & Alluvium |
| Plerstocene | – | Laterite & Bauxite |
| Deccan trap | – | Basalt |
| Intertrappean | – | lime stone – clays |
| Archaens | – | older metamorphies. |
| | – | Granitic gneisses with schist enclaves. |

जिले की खनिज संपदा प्रचुर मात्रा में है। मुख्य खनिजों में बाक्साइट, लेटेराइट, आयरन हैं, जिले में खनिपट्टा स्वीकृत न होने तथा वन क्षेत्र से आच्छादित होने

के कारण खनिज पूर्वक्षण का कार्य नहीं हुआ है। पूर्व में भारत एल्युमिनियम कंपनी कोरबा को करंजिया रेंज के रक्तीदादर, नान्हूदादर एवं खुरखुरीदादर के वन क्षेत्रों में 1052 हे. क्षेत्र में खनिपट्टा स्वीकृत होकर वर्ष 1999 में समाप्त हो गया है। एवं हजारीदादर में 987 हे. में बाल्को को खनिपट्टा स्वीकृत होकर वर्ष 1999 में समाप्त हो गया है। वर्तमान में जिले में मात्र 1 पूर्वक्षण अनुज्ञप्ति स्वीकृत थी, जिसके प्रतिवेदन अनुसार 1500000 टन बाक्साइट की उपलब्धता बताई गई है, यह बाक्साइट मेटल ग्रेड एवं रिफ्रेक्ट्री ग्रेड का है। शेष मुख्य खनिजों के क्षेत्र में पूर्वक्षण किया जाना संभावित है। लेटेराइट खनिज के प्राप्त पूर्वक्षण अनुज्ञप्ति प्रतिवेदन अनुसार 1034710 टन उपलब्धता बताई गई है।

जिले में गौण खनिज पत्थर (बीटी मेटल) प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। लेटेराइट खनिज बाक्साइट खनिज के साथ प्राप्त किया जा सकता है। रेत के भण्डार अधिक नहीं हैं, परन्तु नदियों में मैदानी भाग एवं पानी का बहाव कम होने पर उन क्षेत्रों में रेत का जमाव होता है। जिले में मुख्यतः नर्मदा एवं बुढनेर नदी के 13 क्षेत्रों में रेत की उपलब्धता है। नक्शे हेतु जी.आई.एस. की साईट या ई-खनिज पर उपलब्ध है।

| EXPLANATION | | | |
|---|--|-------------------------------|--|
| LITHOLOGY | STRATIGRAPHIC STATUS | AGE | NATURE AND CHARACTERISTICS |
| Cherty with fossils | | CAMBRIAN | Cherty and to light brown with small pebbles of quartz or felsite, phyllite in nature, shaly, fossiliferous and thin structure. |
| Four to five porphyritic basalt flows | 1. Basalt Formation | CRO-MAGADON-PA-ABAR-101 | Dark brownish black to greyish black, fine to medium grained, fine porphyritic, hard and compact volcanic rock. |
| Three highly porphyritic basalt flows | Phyllite Formation | | Dark grey, fine to medium grained, highly porphyritic, hard and compact volcanic rock. |
| Thin single and one compressed basalt flow | Mudstone Formation | | Dark grey, fine to medium grained, highly porphyritic, hard and compact volcanic rock, with glauconite, presence of green, grey, silty, and sand inclusions in 'Foliated' form. |
| Basalt dikes | Unsubdivided | | Dark black to greyish black, fine to medium grained, non-porphritic to highly porphyritic, hard and compact volcanic rock. |
| Cherty limestone, Siligaphite (dark grey-green) | 1. Lower Ghat Ghat | CRETACEOUS | 1. Limestone - Crinoids, fish remains, shells, etc. Siligaphite - basaltic, 2. Limestone - white, medium grained, fossiliferous. 3. Siligaphite - greenish grey, coarse grained, fossiliferous. 4. Ghat Ghat - greenish grey, coarse grained, fossiliferous. |
| Thin limestone | | | Dark green to dark grey, medium to coarse grained, hard, compact rock, fissile appearance at places. |
| Quartz vein or reef Porphritic vein | | Subvolcanic | Quartz vein - White to milky white, medium to coarse grained, massive rock, abundant at places. Porphritic vein - Pink, very coarse grained, felsitic, porphyritic, medium to fine grained, hard and compact rock. |
| Pink granite and 2 meta-granite | | | Pink Granite - Pink to buff, medium to coarse grained, quartz-feldspathic rock with biotite, porphyritic at places. Meta-granite - White to light grey, coarse grained. |
| Amphibole Basalt | Basalt Formation | | Dark green to greyish black, fine grained, porphyritic to non-porphritic, massive, hard and compact volcanic rock. |
| Andesite | Andesite Formation | | Green, purple brown, medium grained, thickly bedded rock, fossiliferous to Siligaphite. |
| Amphibole Basalt | Mudstone Formation | Black sandstone | Dark green to greyish black, fine grained, porphyritic to non-porphritic, massive, hard and compact volcanic rock. |
| Other granites | Granite Formation | | Pinkish to light grey, medium to coarse grained, massive, thickly laminated, hard and compact rock, at places, fissile. |
| Thin volcanic with soft | Mudstone Formation | | Grey, fine to medium grained, hard, massive, porphyritic to non-porphritic, medium to coarse grained, with some soft. |
| Compactional, sandstone | Sandstone Formation | | Sandstone - White, coarse, occasionally green, medium grained and moderately well sorted. (Conglomerate) - coarse of soft rounded corals and pebbles of size quarter and smaller embedded in the siliceous and lithologic matrix. |
| Thin shaly phyllite and quartzite | 4. Chalky Ghat Ghat | MESO-PROTEROZOIC | Shaly shales - Light brownish red to black red, coarse, poorly sorted, laminated rock. Quartzite - Pink, brownish to buff red, grey, medium to coarse grained, siliceous, massive, hard and compact rock. Phyllite - Light grey, light brown, fine to medium grained, soft and laminated. |
| Pale greenish, crystalline limestone and dolomite | Mudstone Formation | | Pale pinkish, white, coarse, grey, fine to medium grained, fossiliferous, shaly at places, light grey to dirty white calcarenite. |
| Mudstone (shaly shales, quartz, Siligaphite, quartz, phyllite and shaly shales with siliceous sand) | Sandstone Formation | | Grey to dark grey, greenish grey, soft rock with fine inclusions of siliceous dolomite and porphyroclasts of quartz, amenable to weathering. |
| Quartzite and quartz-mica-schist | Unsubdivided | SHALEAR-ABAR-101 | Quartzite - Fine to white, micaceous, thin to moderately thick bedded, shaly shales (shaly). Quartz-mica-schist - Pale grey to dark green, dark grey, medium grained schistose rock, with well developed continuous cleavage, quartziferous at places. |
| Quartz-mica-schist, massive, micaceous, shaly shales, quartz, Siligaphite, quartz, phyllite and shaly shales with siliceous sand | Mudstone Formation | | Shaly shales - Pale grey to dark green, dark grey, medium grained with well developed continuous cleavage, quartziferous at places. Phyllite - Dark grey to olive black, fine grained, highly produced, hard rock with continuous cleavage. |
| Crystalline limestone, calcarenite and black conglomerate matrix with white micaceous sand | Shale Formation | | Crystalline limestone, black, fine to medium grained, well bedded rock. |
| Quartz-mica-schist, shaly, micaceous, shaly shales, quartz, Siligaphite, quartz, phyllite and shaly shales with siliceous sand | Sandstone Formation | | White, grey to pink, fine to medium grained, well bedded micaceous rock. |
| Shaly greenish grey (Mudstone) | | | Shaly greenish grey - Pink, grey, coarse grained, at places, micaceous, fossiliferous, hard and compact, massive, shaly shales, greenish grey, pink, fine to coarse grained, or phyllite porphyritic basaltic granite. |
| 2. Granite granites with inclusions of dolomitic limestone. In Pink and grey granites and migmatite, grey schistose granites with inclusions of high grade Metachertophite & mafic granites in Chertophite. In Dolomitic dolomitic limestone. | Basaltic Ghat Ghat, Complex, Tonalite, Granite Complex | ANALYSED PROTEROZOIC | Granite granites - Pink, grey, coarse grained, at places, micaceous, fossiliferous, hard and compact, massive, shaly shales, greenish grey, pink, fine to coarse grained, or phyllite porphyritic basaltic granite. |
| Granite | | ARCHAIC TO PALAEO PROTEROZOIC | Granite - Dark grey, greyish brown, fine grained, massive, micaceous, unbedded, at places, glassy to well bedded, micaceous, greenish grey and black to buff. |
| | | | Granite granites - Grey and pinkish grey, medium to coarse grained with bedded granites, granites in granitic granite or felsite granitic granites, greenish grey, pink, white, grey, massive. Granite - Light to dark grey, pink to greenish pink, medium to coarse grained, highly to well bedded, massive rock, hard, compact, well crystallized at places. Migmatite - Grey, dark grey, fine to coarse grained, foliated, biotite rich with numerous irregularly shaped. |
| | | | Grey, pink, medium to coarse grained, hard and compact rock having greenish appearance. |

उपरोक्त के अतिरिक्त, रिपोर्ट में निम्नलिखित अंतर्विष्ट होगा:

(In addition to the above, the report shall contain the following:)

(क) नदी या धाराओं का जिलावार ब्यौरा और बालू के अन्य स्रोत (District wise detail of river or stream and other sand source.)



जिले में मुख्यतः पायी जाने वाली नदियों का जिलेवार ब्यौरा निम्नानुसार है –

- 1- नर्मदा – यह नदी अनूपपुर जिले की अमरकंटक से निकलकर डिण्डौरी जिले में 154 किमी. क्षेत्र पर बहती है साथ ही साथ दक्षिण दिशा से चकरार, मचरार, सिलगी, कुतरैल, सिवनी नदी मिलती है, जिनकी लंबाई ज्यादा नहीं है।
- 2- बुढ़नेर – यह नदी मेकल पहाड़ (चाड़ा) से निकलकर जिले में 50 किमी. क्षेत्र पर बहती है।

(ख) जिलावार बालू या पत्थरों की उपलब्धता या समग्र संसाधन (District wise availability of sand or gravel or aggregate resources.)

जिले में बालू के मात्र 2 स्तोत्र एवं संसाधन नदी में उपलब्ध है, जो कि मुख्यतः तहसील बजाग एवं डिण्डौरी में उपलब्ध है, साथ ही गिट्टी पत्थर के 29 स्थान नियत है।

(ग) जिलावार बालू के विद्यमान खनन पट्टों के ब्यौरे तथा समग्र (District wise detail of existing mining leases of sand and aggregates.)

जिले में बालू के कोई भी खनन पट्टे स्वीकृत नहीं है, इसके अतिरिक्त डिण्डौरी जिले में रेत की 03 नीलाम खदाने स्थित है।

मुख्य नदियों के विवरण सहित निकासी प्रणाली

(Drainage system with description of main rivers) :-

| क्रमांक | नदी का नाम | निकासी क्षेत्र (रकबा हे.में) | जिले में निकासी किया गया % क्षेत्र |
|---------|------------|---------------------------------|---------------------------------------|
| 1. | नर्मदा | 21.4 | 100 % |
| 2. | बुढनेर | 11.00 | 100 % |

नोट : बालू क्षेत्रों के नई खदान घोषित करने की कार्यवाही निरंतर जारी है, ताकि उत्खनन किया जा सके।

महत्वपूर्ण नदियों और धाराओं की मुख्य विशेषताएं

(Salient Features of Important Rivers and Streams) :-

| क्रमांक | नदी या धारा का नाम | जिले में कुल दूरी (कि.मी. में लगभग) | उद्गम का स्थान | उद्गम पर उंचाई |
|---------|--------------------|--|---------------------------------|----------------|
| 1. | नर्मदा | 154 | अनूपपुर जिले के अमरकंटक से | 1022 मीटर |
| 2. | बुढनेर | 50 | जिले के मेकल पहाड़ (चाडा) से | 1142 मीटर |

| खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग | खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र की लंबाई (कि.मी. में) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र की औसत चौड़ाई (वर्ग मीटर में) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया क्षेत्र (वर्ग मीटर में) | खनन योग्य खनिज संभावना (मीट्रिक टन में) (कुल खनिज संभावना का 60%) |
|---|--|--|--|---|
| नर्मदा | मूसामुण्डी – 1.400 | 35 | 1400 X 35 X 1 | 29400 |
| बुढनेर | कमकोमोहनिया – 0.880 | 40 | 1400 X 40 X 2 | 42240 |
| | दिवारी – 0.720 | 55 | 1400 X 55 X 1 | 23760 |

भविष्य में नीलाम की जाने वाली रेत खदानों का विवरण :-

| क्र. | नदी का नाम | खदान का नाम | ख.नं. | रकवा | खनिज की संभावित मात्रा (घमी. में) |
|------|------------|-------------|---------|------|-----------------------------------|
| 1 | नर्मदा नदी | चौरा माल | 01 | 1.00 | 4000 |
| 2 | | रमपुरी | 271 | 2.00 | 7000 |
| 3 | | मडियारास | 222 | 2.40 | 8400 |
| 4 | | गांगपुर | 1 / 248 | 2.00 | 8000 |
| 5 | | मझियाखार | 01 | 1.00 | 4000 |
| 6 | | सुकुलपुरा | 01 | 1.00 | 4000 |
| 7 | | शोभापुर | 187 | 1.00 | 5000 |
| 8 | | परसवाह | 307 | 2.00 | 8000 |
| 9 | | रुसा | 01 | 1.50 | 7500 |
| 10 | | गोरखपुर | 157 | 1.50 | 7500 |

नोट:- उक्त रेत खदानों का क्षेत्रफल एवं संभावित खनिज की मात्रा में खदान की स्थिति एवं खनिज की उपलब्धता के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।

खनिज संभावना (Mineral Potential) :-

| | |
|---|--|
| गिट्टी हेतु पत्थर / बोल्टर / बोल्टर (एमटी) फर्शी पत्थर / ढोका / खण्डा (एमटी) | असीमित किन्तु विगत वर्षों में खनिज शाखा के अकड़ों अनुसार लगभग 217666 घ.मी. गिट्टी पत्थर उत्पादन किया गया है, तथा आकृत मात्रा में उपलब्ध है। |
| बालू (एमटी) / बजरी | जिले में वार्षिक जमाव की कुल रेत की मात्रा 158800 घ.मी., खनिज शाखा के अकड़ों में विगत वर्ष लगभग 10243 घ.मी. रेत निकाली गई। |
| लेटेराइट | जिले में तहसील बैहर में विभिन्न ग्रेड का लेटेराइट पाया जाता है। जो कि लगभग 10,34,710 मिलियन टन से अधिक होगा, खनिज शाखा के आकड़ों के अनुसार उत्पादन निरंक है। |
| क्ले ओर मिट्टी (घ.मी.) | जिला डिण्डौरी के विभिन्न स्थानों पर मिट्टी ओर क्ले के अकृत भंडार है। |

वार्षिक जमाव (Annual Deposition) :-

| क्र. | नदी का नाम | वार्षिक जमाव (घ.मी.) |
|------|------------|-------------------------|
| 1. | नर्मदा | 92800 |
| 2. | बुढ़नेर | 66000 |
| योग | | 158800 |

नोट : उपरोक्त वार्षिक बालू जमाव का 60 प्रतिशत खनन योग्य है।

| खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया नदी या धारा का भाग | खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र की लंबाई (कि.मी. में) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किए गए क्षेत्र की औसत चौड़ाई (वर्ग मीटर में) | खनिज छूट के लिए सिफारिश किया गया क्षेत्र (वर्ग मीटर में) | खनन योग्य खनिज संभावना (मीट्रिक टन में) (कुल खनिज संभावना का 60%) |
|---|--|--|--|--|
| नर्मदा | मूसामुण्डी – 1.400 | 35 | 1400 X 35 X 1 | 29400 |
| बुढ़नेर | कमकोमोहनिया – 0.880 | 40 | 1400 X 40 X 2 | 42240 |
| | दिवारी – 0.720 | 55 | 1400 X 55 X 1 | 23760 |

भविष्य में नीलाम की जाने वाली रेत खदानों का विवरण :-

| क्र. | नदी का नाम | खदान का नाम | ख.नं. | रकवा | खनिज की संभावित मात्रा (घमी. में) |
|------|------------|-------------|---------|------|-----------------------------------|
| 1 | नर्मदा नदी | चौरा माल | 01 | 1.00 | 4000 |
| 2 | | रमपुरी | 271 | 2.00 | 7000 |
| 3 | | मडियारास | 222 | 2.40 | 8400 |
| 4 | | गांगपुर | 1 / 248 | 2.00 | 8000 |
| 5 | | मझियाखार | 01 | 1.00 | 4000 |
| 6 | | सुकुलपुरा | 01 | 1.00 | 4000 |
| 7 | | शोभापुर | 187 | 1.00 | 5000 |
| 8 | | परसवाह | 307 | 2.00 | 8000 |
| 9 | | रूसा | 01 | 1.50 | 7500 |
| 10 | | गोरखपुर | 157 | 1.50 | 7500 |

नोट:- उक्त रेत खदानों का क्षेत्रफल एवं संभावित खनिज की मात्रा में खदान की स्थिति एवं खनिज की उपलब्धता के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।